अपठित गद्यांश

लोकमान्य तिलक ने स्वराज का जो सपना देशवासियों को दिखाया, महात्मा गांधी ने उसे सामाजिक समानता और न्याय के साथ जोड़ा। उन्होंने दलितों, स्त्रियों और वंचित वर्ग को स्वतंत्रता आंदोलन का अभिन्न हिस्सा बनाया। गांधी जी का मानना था कि सच्ची आज़ादी तभी होगी जब समाज के सभी वर्ग समान अवसर और सम्मान पाएँगे।

स्वतंत्रता मिलने के बाद देश में कारखानों, वैज्ञानिक संस्थानों और बड़े-बड़े विकास कार्यों की बाढ़ आ गई। लेकिन गांधी जी के मूल्यों—सत्य, अहिंसा, सादगी और आत्मनिर्भरता—को धीरे-धीरे पीछे छोड़ दिया गया। समय के साथ यह गलत धारणा फैल गई कि गांधीवादी विचार तकनीकी प्रगति में बाधा डालते हैं और हमें आधुनिक युग की गति से पीछे कर देंगे।

इस सोच के कारण तकनीकी और औद्योगिक प्रगति तो हुई, लेकिन समाज के अंदर फैली गरीबी, अज्ञानता, धार्मिक संकीर्णता और जातिवाद जैसी गहरी समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। गांधी जी के विचार आज भी हमें यह याद दिलाते हैं कि सच्चा विकास केवल मशीनों और इमारतों से नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक समानता से होता है।

गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. तिलक ने हमें क्या सपना दिया?

उत्तर:_____

_____

2. गांधी जी ने स्वराज के सपने को किन-किन से जोड़ा?

उत्तर:_____

_____

3. गांधीवादी मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता क्यों सीमित होती चली गई?

उत्तर:_____

_____

4. तकनीकी विकास के बावजूद समाज में कौन-सी समस्याएँ बनी रहीं?

उत्तर:_____

_____

5. गांधी जी के अनुसार सच्चा विकास किन चीजों से होता है?

उत्तर:_____

_____

Answer

1. तिलक ने हमें क्या सपना दिया?

उत्तर: तिलक ने हमें स्वराज का सपना दिया।

2. गांधी जी ने स्वराज के सपने को किन-किन से जोड़ा?

उत्तर: गांधी जी ने स्वराज के सपने को दलितों और स्त्रियों से जोड़ा।

3. गांधीवादी मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता क्यों सीमित होती चली गई?

उत्तर: क्योंकि गांधीवाद की समसामयिक व्याख्या न होने के कारण और कुछ लोगों की पाखंडी जीवन शैली के कारण।

4. तकनीकी विकास के बावजूद समाज में कौन-सी समस्याएँ बनी रहीं?

उत्तर: फटेहाली, धार्मिक संकीर्णता और जातिवाद।

5. गांधी जी के अनुसार सच्चा विकास किन चीजों से होता है?

उत्तर: मानवीय मूल्यों और सामाजिक समानता से।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com